



पेज -7 पर
कलेक्टर डॉ. सिंहीकी ने जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की

जोहर छत्तीसगढ़

◆ वर्ष: -15 ◆ अंक: 230

डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 3 ₹ पृष्ठ: 8

धरमजयगढ़, गुरुवार 15 जून 2023

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

मुख्यमंत्री बाल उदय योजना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बाल देखरेख संस्था से बाहर जाने वाले बालकों के जीवन को सही दिशा देने के लिए मुख्यमंत्री बाल उदय योजना शुरू की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य बालकों के देखरेख, समुचित पुनर्वास और एक सफल नागरिक के रूप में उनको स्थापित करना है। योजना के तहत राज्य में संचालित 69 बाल देखरेख संस्थाओं के 108 बच्चों को

लाभान्वित किया जाएगा। यह जनकारी आज महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से रायपुर के लाभांडी में मुख्यमंत्री बाल उदय योजना पर आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में दी गई। यहां योजना के संबंध में विस्तृत जनकारी देने के साथ उसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई।



कार्यशाला का शुभाभंध की अध्यक्ष श्रीमती किरणमयी मुख्यमंत्री बाल उदय योजना नायक ने किया। उन्होंने कहा कि

दैनिक हिन्दी

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए कई शिक्षक हुए सम्मानित



पेज -8 पर

बाल देखरेख संस्था से बाहर जाने वाले बालकों को मिलेगा सुनहरा भविष्य

एक नजर
नाबार्ड की हाई पावर कमेटी की बैठक सम्पन्न



रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में नाबार्ड के अंतर्गत ग्रामीण आधारभूत सुविधा विकास निधि (आरआईडीएफ) से संबंधित प्रतिपूर्ति और राज्य प्रस्तावों की प्राप्ति की समीक्षा हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 के स्वीकृत राज्य एवं प्रतिपूर्ति दावों की ओर वित्तीय वर्ष 2023-24 के राज्य प्रस्तावों एवं प्रतिपूर्ति पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य सचिव श्री जैन ने राज्य शासन के कृषि, सिंचाई, लोक स्वास्थ्य योगिकी, लोक निधि, खाद्य सहित अन्य विभागों के अंतर्गत नाबार्ड द्वारा स्वीकृत राज्य परियोजनाओं के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की।

जोहर छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।
कई दशकों बाद धरमजयगढ़ की जनता को आश लगी थी कि अब चमदमाती सड़क में चलने का पौका मिलेगा। लेकिन नए सड़क के नाम पर पुराने सड़क का मरम्मत कर दिया जा रहा है। इसे पढ़कर जरूर थोड़ा विश्वास नहीं हो रहा होगा, लेकिन धरमजयगढ़ की जनता बन रहे इस सड़क को नम आंखों से देख रही है।

क्योंकि इनके खिलाफ अनेकों बार धरना आंदोलन किया जा चुका है। अब लग रहा

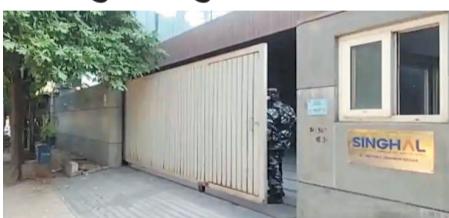
है जैसे भी करके डामरीकरण हो जाए। क्योंकि संबंधित विभाग के अधिकारी भी इस घटिया निर्माण में आहुति दे रहे हैं। वहाँ जिम्मेदार जनप्रतिनिधि भी चुप हैं क्योंकि समाने चुनाव हैं और सड़क बिन जनता का बोट नहीं मिलेगा। इसलिए जैसे भी हो डामरीकरण हो जाए। हाँ बात कर रहे हैं खरसिया से धरमजयगढ़ तक बन रहे नए सड़क का। जिसका निर्माण कार्य का टेका श्री इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी भोपाल को मिला है। शुरुआत में निर्माण कार्य बड़े ही धीमगिती से चल

लोक निर्माण विभाग के अधिकारी कर्मचारी ठेकेदार के सामने घूटने टेक बैठे हैं। विपक्ष वर्यों नहीं दिखता घटिया सड़क निर्माण?

खरसिया से पथलगांव सड़क निर्माण को लेकर कई बार चाचा जाम धना प्रदर्शन किया जा चुका है इसके बाद भी ठेकेदार द्वारा नार के बीचों-बीच बिना बेस बनाए ही सड़क निर्माण किया जा रहा है। सड़क निर्माण में ही रहे झोलझाल पर निर्देशित किया गया। ठेकेदार प्रसाद जाम धना तक राज रहे हैं आखिर क्यों? कुछ दिन पहले पूराने स्टेट बैंक के पास भी ठेकेदार द्वारा बिना बेस बनाए ही पूराने सड़क पर डामरीकरण नहीं दे रहे हैं।



सिंघल ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज में सामने आई 50 करोड़ की गड़बड़ी, रायपुर का मुख्य आफिस सील



रायपुर। सिंघल ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज के टिकानों पर आयकर विभाग द्वारा की जा रही जांच में अब तक लगभग 50 करोड़ की गड़बड़ी सामने आई है।

बताया जा रहा है कि ग्रुप की साथी मुख्य कार्यालय के साथ ही रायपुर स्थित मुख्य कार्यालय की अपार्टमेंटों में अलग से शेल कंपनी बनाइ गई है। इसके साथ ही आयकर विभाग को पहले ही ग्रुप के पास से सब करोड़ की ज्वेलरी व एक करोड़ नकद मिले हैं।

आयकर जांच हुई पूरी, वापस लौटी टीम

आयकर सूत्रों का कहना है कि आयकर छापे की इस कार्रवाई में यह बात सामने आई कि ग्रुप द्वारा शाम को आयकर की जारी कर्मान्वयन की विभागीय अधिकारी की जांच वाले के लिए एक अपार्टमेंट की बिलिंग दर्शायी गई है।

टैक्स चोरी की जा रही थी और कोलकाता में अलग से शेल कंपनी बनाइ गई थी। इन सबका मुख्यालय रायपुर में ही था। गोरतलाल है कि छिल्के सालाह कुधवार से मध्यप्रदेश के छत्तीसगढ़ के आयकर अफसरों की टीम द्वारा सिंघल ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज के रायपुर, रायगढ़ व कोलकाता के 22 टिकानों पर एक साथ आपामार कार्रवाई में लगभग 150 आयकर अफसर शामिल थे और 100 सीआरपीएफ के जवान थे।

पूरी हुई। आयकर अफसरों का कहना है कि इस समूह द्वारा भारी मात्रा में लेनदेन किया जा रहा था। जांच के द्वीपन कच्चे में लेनदेन के ही सबुत मिले। कच्चे में लेनदेन का मुख्य उद्देश्य विभागीय अधिकारी के अनुच्छेद 10 के अंतर्गत जारी किया जा रहा है। एसोसिएट एकेडार करोड़ों का लाभ अर्जित करने जा रहे हैं।

आयकर सूत्रों का कहना है कि आयकर छापे की इस कार्रवाई में यह बात सामने आई कि ग्रुप द्वारा

शेल के अपार्टमेंटों में लेनदेन किया जा रहा है।

अगली बैठक 22 जून को हो सकती है। अपार्टमेंट के लोगों में सुधारे किया जाएगा।



अगली बैठक 22 जून को हो सकती है। अपार्टमेंट के लोगों में सुधारे किया जाएगा।

बैठक के बाद मंत्री टीम परिवेश विभाग की जांच वाले एवं अलग से शेल कंपनी को छोड़कर भाजपा या किसी दूसरी पार्टी में नहीं जाऊंगा।

बैठक के भीतर चल रही बैठक में सौंपे भोजन बघेल, कुमारी मोहन मरकाम और मंत्री मोहम्मद अकबर मौजूद रहे। इस बैठक में चुनावी रणनीतियों पर चर्चा हुई।

बैठक के बाद मंत्री टीम परिवेश विभाग की जांच वाले एवं अलग से शेल कंपनी को छोड़कर भाजपा या किसी दूसरी पार्टी में नहीं जाऊंगा।

बैठक के भीतर चल रही बैठक में सौंपे भोजन बघेल, कुमारी मोहन मरकाम और मंत्री मोहम्मद अकबर मौजूद रहे। इस बैठक में चुनावी रणनीतियों पर चर्चा हुई।

बैठक के बाद मंत्री टीम परिवेश विभाग की जांच वाले एवं अलग से शेल कंपनी को छोड़कर भाजपा या किसी दूसरी पार्टी में नहीं जाऊंगा।

बैठक के भीतर चल रही बैठक में सौंपे भोजन बघेल, कुमारी मोहन मरकाम और मंत्री मोहम्मद अकबर मौजूद रहे। इस बैठक में चुनावी रणनीतियों पर चर्चा हुई।

बैठक के भीतर चल रही बैठक में सौंपे भोजन बघेल, कुमारी मोहन मरकाम और मंत्री मोहम्मद अकबर मौजूद रहे। इस बैठक में चुनावी रणनीतियों पर चर्चा हुई।

बैठक के भीतर चल रही बैठक में सौंपे भोजन बघेल, कुमारी मोहन मरकाम और मंत्री मोहम्मद अकबर मौजूद रहे। इस बैठक में चुनावी रणनीतियों पर चर्चा हुई।

बैठक के भीतर चल रही बैठक में सौंपे भोजन बघेल, कुमारी मोहन मरकाम और मंत्री मोहम्मद अकबर मौजूद रहे। इस बैठक में चुनावी रणनीतियों पर चर्चा हुई।

बैठक के भीतर चल रही बैठक में सौंपे भोजन बघेल, कुमारी मोहन मरकाम और मंत्री मोहम्मद अकबर मौजूद रहे। इस बैठक में चुनावी रणनीतियों पर चर्चा हुई।

बैठक के भीतर चल रही बैठक में सौंपे भोजन बघेल, कुमारी मोहन मरकाम और मंत्री मोहम्मद अकबर मौजूद रहे। इस बैठक में चुनावी रणनीतियों पर चर्चा हुई।

बैठक के भीतर चल रही बैठक में सौंपे भोजन बघेल, कुमारी मोहन मरकाम और मंत्री मोहम्मद अकबर मौजूद रहे। इस बैठक में चुनावी रणनीतियों पर चर्चा हुई।

बैठक के भीतर चल रही बैठक में सौंपे भोजन बघेल, कुमारी मोहन मरकाम और मंत्री मोहम्मद अकबर मौजूद रहे। इस बैठक में चुनावी रणनीतियों पर चर्चा हुई।

बैठक के भीतर चल रही बैठक में सौंपे

बहुत तबाही मचा सकता है बिपरज्यों चक्रवाती तूफान, बिपरज्यों के कहर से निपटने की चुनौती

अरब सागर में उड़े इस साल के पहले प्री-मानसून चक्रवाती तूफान बिपरज्यों का डर देश के कई राज्यों में बना हुआ है और इसीलिए समुद्र टट वाले जिलों को हाई अलर्ट घोषित करते हुए वहाँ एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और सोना मोर्चा संभाल रहे हैं। हालांकि सरकार का कहना है कि उसका उद्देश्य 'जीरो कैन्सुलिट' सुनिश्चित करना और इस चक्रवाती तूफान से होने वाले सभावित नुकसान को न्यूनतम करना है लेकिन माना जा रहा है कि यह तूफान कई इलाकों काफी तबाही मचा सकता है। मंगलवार को यह तूफान गंभीर चक्रवात से बैठद गंभीर चक्रवात में बदल गया था।



संपादकीय

पाकिस्तान में खतरनाक खेल

पाकिस्तान की सेना संभवतः यह भूल गई है कि जब वहाँ किसी लोकप्रिय नेता को राजनीति से हटाने के जब कोशिशें हुईं, तो उसके कैसे नतीजे समाप्त हो गए। ऐसे दखलों से असंतोष बढ़ा रहा है।

अब यह साफ़ है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सियासी रूप से नष्ट करने में वहाँ का 'ऐस्ट्रेलिशमेंट' (सेना-खुफिया नेतृत्व) फिल्मारा सफल हो गया है। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहसीक-ए-इसाफ (पीटीआई) में अब गिने-चुने नहीं हो चके हैं। बाकी नेता ऐस्ट्रेलिशमेंट का दबाव नहीं ढील पाए, जैसा करना पाकिस्तान में कभी आसन नहीं हो रहा है। जुटिकर अंती धुंडे ने 1970 के दशक में ऐसा करने की कोशिश की थी, तो उसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी थी। अब इमरान खान पर भी एक वकील की ताकिये के मामले में मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। कई हल्कों में इसे भूटों को पुनरुत्थान के रूप में देखा गया है। बहलाल, इमरान खान के मामले में पाकिस्तान की सेना उस हड तक जाएगी या नहीं, यह अभी साफ़ नहीं है। यह स्पष्ट है कि पीटीआई की सियासी हत्या का काम काफी अब बढ़ चुका है। पिछले दिनों पार्टी से निकले नेता जहांगीर खान तरीन ने अपनी नई पार्टी बना ली है। इसके नाम इस्सेहाकम-ए-पाकिस्तान (आईपीपी) रखा गया है।

आम राय है कि मैं यह पार्टी ऐस्ट्रेलिशमेंट की मन-माफिक विपक्षी पार्टी का गठन है।

ईंस्ट सेंट्रल अरब सागर की खाड़ी में बना हुआ यह तूफान धीरे-धीरे उत्तर दिशा की ओर बढ़ रहा है और 15 जून की शाम गुजरात के सीराष्ट्र-कच्च से इसके टकराने की सभावना है। मौसम विभाग के पूर्वनुमा के मुताबिक, बिपरज्यों के कारण इनीं तेज हवाएं चल सकती हैं जिनके कारण तेज हवाएं चलने के साथ बारिश हो सकती हैं। इस दौरान अधिकतम 150 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार तक हवाएं चलने के आसार हैं। इसी कारण गुजरात में इस तूफान को लेकर हाई अलर्ट जारी किया गया है। आशंका है कि यह तूफान अति प्रचंड रूप से बन सकता है, जबकि 69 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, 32 ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट किया गया है, 26 ट्रेनों शॉर्ट-टर्मिनेट किया जा रहा है। चक्रवाती तूफान बिपरज्यों के खतरे को देखते हुए 69 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जबकि 15 जून को इससे साथाधिक खतरा है, उत्तरी गुजरात में कच्च, देवभूमि ढारका, जामनगर जिलों में ता 15 जून तक 20



वैसे भारी तबाही मचाने वाले ऐसे तूफान अपने नामों को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। चूंकि यह तूफान बांगलादेश से उठा है, इससे लोगों को लंबे समय तक अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बहराहाल, बिपरज्यों के बाद जाने वाले ऐसे तूफान के बाबत भी चर्चा में रहते हैं। ये हिंद महासागर में आने वाले तूफानों के बाबत भी चर्चा में रहते हैं। ये हिंद महासागर में आने वाले तूफानों के नामकरण की वर्ष 2004 से यही प्रक्रिया चली आ रही है। इससे पहले ऐसे ही तूफानों के बाबत भी चर्चा में रहते हैं। जिसका नामकरण की वर्ष 2004 से यही प्रक्रिया चली आ रही है। वैसा सांप, जिसने कुंडली मार रखी हो और हमले के लिए तैयार बैठा है। इसमें कम दबाव के क्षेत्र में हवा अंदर की ओर चक्रवाती तूफान भी तूफान हवा चक्रवात तभी कहलाती है।

भी चर्चा में रहते हैं। चूंकि यह भारत के टटवर्ती राज्य अक्सर ऐसे चक्रवाती तूफानों से प्रभावित होते होते हैं। इस तरह के चक्रवाती तूफान अपने पीछे केवल बब्बदी छोड़ जाते हैं। बांगलादेश में 'बिपरज्यों' के नाम का अर्थ है आपदा या विपत्ति। दरअसल, अरब सागर और बांगलादेश की खाड़ी में जो भी चक्रवात आते हैं, उन्हें नीलोफर, तटती और बुलबुल नाम हैं। उन देने लायक चक्रवात आपने पर उत्तोक 8 देशों के भेजे नामों में से बारी-बारी से एक नाम चुना जाता है।

भयंकर तूफानों का नामकरण किए जाने के पीछे भी अहम कारण है। साइक्लोन या चक्रवात तूफानों के लिए कोई नाम नहीं है। ये तूफान ब्रांगलादेश से उठा है, इसलिए ब्रांगलादेश ने ही इस तूफान को बिपरज्यों नाम दिया है। ब्रांगलादेश में 'बिपरज्यों' के नाम का अर्थ है आपदा या विपत्ति। असर रहेगा। इसलिए प्रभावित स्थानों पर लोगों को घर के अंदर सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी गई है क्योंकि इसके अनेक ऐसे पेड़, बिजली के खंडें, सेलफोन टावर उड़ा देखते हैं, जिससे बिजली और दूरसंचार के लिए यह तूफान के कारण तेज हवाओं में व्यवधान आ सकता है और इस भीषण

तूफान की वजह से खड़ी फसलों को भी नुकसान होगा। मौसम विभाग द्वारा 8 राज्यों लक्षित, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, केरल और ओडिशा प्रदेश के तटीय इलाकों में बारी वारिश की चेतावनी देसे तूफान अपने नामों को लेकर एक फार्मलूला बनाया था। सभी

जलवायू परिवर्तन: प्रदूषण में दिल्ली से आगे न्यूयॉर्क, खत्म हो रहा विकासशील और विकसित दुनिया के बीच का फर्क

जरा एक गर्म साइबरिया (रूस और उत्तरी कजाकिस्तान का एक विशाल क्षेत्र - जो यूराल पर्वत से लेकर प्रशांत महासागर तक और उत्तरी धूरीय महासागर से चीन और मंगोलिया की सीमाओं तक फैला हुआ है) की कल्पना कीजिए।

दुनिया भर में अत्यधिक तापमान पर नजर रखने वाले जलवायू विज्ञानी मैक्सिमिलियानो ने द्योरा के अनुसार, साइबरिया के जलवायूगोस्क में विगत तीन जून को तापमान 37.9 डिग्री सेलिंयन तक पहुंच गया, जो वहाँ के इतिहास का सबसे गर्म दिन था। वर्ष 2021 में ब्रिटिश कोलंबिया का एक छोटा-सा गोव लिटन तथा एक और ठंडा देश कनाडा अंतर्राष्ट्रीय समाचारों में छा गया, जब वहाँ 49.6 डिग्री सेलिंयन का उच्च तापमान दर्ज किया गया।

हमें से अधिकांश लोग वहाँ नहीं गए हैं और न ही जाने की संभावना है। इसके बावजूद अपने वहाँ भीषण गर्मी से तड़पते हुए साइबरिया की प्रचंड गर्मी के बारे में पढ़ने पर हम बेचैन हो उठते हैं।

दुनिया भर में अत्यधिक तापमान पर नजर रखने वाले जलवायू विज्ञानी मैक्सिमिलियानो ने द्योरा के अनुसार, साइबरिया के जलवायूगोस्क में विगत तीन जून को तापमान 37.9 डिग्री सेलिंयन तक पहुंच गया, जो वहाँ के इतिहास का सबसे गर्म दिन था।

परिवर्तन क्षेत्र कनाडा की व्यवस्था के लिए ऐसी गर्मी एक झटका थी, जो ऐसी चिल्ड्रिंग गर्मी के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं था। लेकिन वास्तव में जिस चीज़ ने दुनिया के लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया, वह है वायु प्रदूषण के मामले में न्यूयॉर्क का प्रदूषण के साथ संघर्ष में कहाँ, तो न्यूयॉर्क में प्रदूषण का स्तर नई दिल्ली को पीछे छोड़ रहा है। अमेरिका की विवाय राजधानी न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध क्षितिज की धुंध के धुंधले पर्ट में छिपी छिपायी पूरे सोशल मीडिया पर आई है। ये खबर है कि कनाडा के जंगल की गुणवत्ता के साथ संघर्ष में रहे हैं, जो खराब वायु गुणवत्ता के साथ संघर्ष कर रहे हैं और उन्हें याद दिलाते हैं कि ग्लोबल साउथ साल भर ऐसी ही परिस्थिति में रहता है। पिछले दिसंबर में चौबीसों घंटे और दस घंटों का बंद करने का कारण वायु गुणवत्ता पर तरह आपत्ति आ रही है।

परिवर्तन क्षेत्र कनाडा की व्यवस्था के लिए ऐसी गर्मी एक झटका थी, जो ऐसी चिल्ड्रिंग गर्मी के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं था। लेकिन वास्तव में जिस चीज़ ने दुनिया के लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया, वह है वायु प्रदूषण के मामले में न्यूयॉर्क का प्रदूषण के साथ संघर्ष में कहाँ, तो नई दिल्ली को पीछे छोड़ रहा है। अमेरिका की विवाय राजधानी न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध क्षितिज की धुंध ही गई। 1% लॉपोर्ट के दर्दीसंग के लिए अपनी ओर आकर्षित किया, वह है वायु प्रदूषण के मामले में न्यूयॉर्क का प्रदूषण से आगे नई दिल्ली से आगे है। ये खबर है कि कनाडा के जंगल की गुणवत्ता के साथ संघर्ष में रहे हैं, जो खराब वायु गुणवत्ता के साथ संघर्ष कर रहे हैं और उन्हें याद दिलाते हैं कि ग्लोबल साउथ साल भर ऐसी ही परिस्थिति में रहता है। पिछले दिसंबर में चौबीसों घंटे और दस घंटों का बंद करने का कारण वायु गुणवत्ता पर तरह आपत्ति आ रही है।

जैसा कि मैंने कहा, कनाडा के जंगल की आग भी दुनिया भर के समाजों में शोर पर रहा। इस देश के उत्तरी क्षेत्रों के साथ जलवायू की आग के धुआं अमेरिका के जंगलों की आग से बहुत ज्यादा है। इससे लोगों के बाबत भी चर्चा है। इसके बाबत भी अनेक निवासी, जो हमेशा सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाले शहरों में रहते हैं, जिसका नाम दिए जा रहा है। इसमें कम दबाव के क्षेत्र में हवा अंदर की ओर चक

